

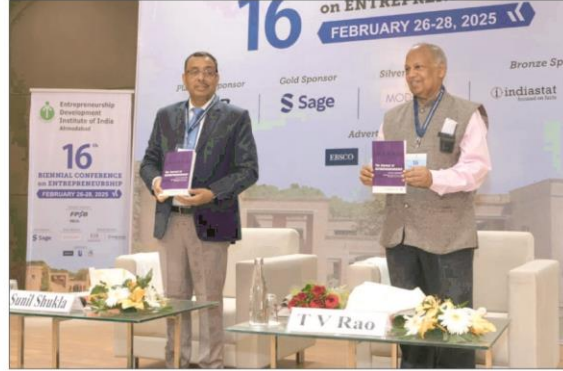
PUBLICATION NAME :	Amar Hindustan
EDITION :	Dehradun
DATE :	27/02/2025
PAGE :	01

शोध

विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अमर हिन्दुस्तान
देहरादून। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समापन होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार; उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र; मनोविज्ञान और उद्यमिता; एमएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति,



परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन

का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फाउंडर और चेयरमैन, टी. वी. राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया।

उन्होंने कहा, 'आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि उद्यमिता एक मिशन है, एक शक्तिशाली बल जहां व्यक्ति वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाते हैं और सभी के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, 'द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अग्रणी शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक साथ लाकर, यह मंच शोध निष्कर्ष के प्रसार को सुगम बनाता है,